Psa

Chapter 2

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

לָמָּה	רָגְשׁוּ	גּוֹיִם	וּלְאֻמִּים	יֶהְגּוּ־	רִיק׃
क्यों	क्रोधित-हुए	जातियाँ	और-प्रजा	सोचती-है	व्यर्थ
H4100	H7283		H3816	H1897	H7385

दूसरे देशों के लोग क्यों इतनी हुल्लड़ मचाते हैं और लोग व्यर्थ ही क्यों षड़यन्त्र रचते हैं

2

וְעַל־	יְהוָה	עַל־	יָחַד	נוֹסְדוּ־	וְרוֹזְנִים	אֶרֶץ	מַלְכֵי־	וְיִתְיַצְּבוּ
और-के-विरुद्ध	यहोवा	के-विरुद्ध	एक-साथ	मिलकर-युक्ति-करते-हैं	और-शासक	पृथ्वी-के	राजा	खड़े-होते-हैं
	H3068			H3245	H7336	H0776	H4428	H3320

מְשִׁיחוֹ׃	
उसके-अभिषिक्त	
H4899	

ऐसे दशों के राजा और नेता यहोवा और उसके चुने हुए राजा के विरुद्ध होने को आपस में एक हो जाते हैं।

3

עֲבֹתֵימוֹ׃	מִמֶּנּוּ	וְנַשְׁלִיכָה	מוֹסְרוֹתֵימוֹ	אֶת־	נְנַתְּקָה
उनकी-रस्सियाँ	हमसे	और-हम-फेंक-दें	उनके-बन्धन	को	हम-तोड़-डालें
H5688		H7993	H4147	H0853	H5423

वे नेता कहते हैं, "आओ परमेश्वर से और उस राजा से जिसको उसने चुना है, हम सब विद्रोह करें। आओ उनके बन्धनों को हम उतार फेंके।"

4

לָמוֹ׃	יִלְעַג־	אֲדֹנָי	יִשְׂחָק	בַּשָּׁמָיִם	יוֹשֵׁב
उन-पर	ठट्ठा-करता-है	आदोनाई	हँसता-है	आकाशों-में	बैठनेवाला
	H3932	H0136	H7832	H8064	H3427

किन्तु मेरा स्वामी, स्वर्ग का राजा, उन लोगों पर हँसता है।

5

יְבַהֲלֵמוֹ׃	וּבַחֲרוֹנוֹ	בְּאַפּוֹ	אֲלֵימוֹ	יְדַבֵּר	אָז
उन्हें-व्याकुल-करता-है	और-अपने-कोप-में	अपने-क्रोध-में	उनसे	वह-बोलता-है	तब
H0926	H2740	H0639	H0413	H1696	

परमेश्वर क्रोधित है और यही उन नेताओं को भयभीत करता है।

6

קָדְשִׁי׃	הַר־	צִיּוֹן	עַל־	מַלְכִּי	נָסַכְתִּי	וַאֲנִי
अपनी-पवित्रता-का	पर्वत	सिय्योन	पर	अपना-राजा	ठहराया-है	परन्तु-मैंने
H6944	H2022	H6726		H4428		H0589

वह उन से कहता है,"मैंने इस पुरुष को राजा बनने के लिये चुना है। वह सिय्योन पर्वत पर राज करेगा। सिय्योन मेरा विशेष पर्वत है।"

7

יְלִדְתִּיךָ׃	הַיּוֹם	אֲנִי	אַתָּה	בְנִי	אֵלַי	אָמַר	יְהוָה	חק	אֶל	אֲסַפְּרָה
तुझे-जन्माया-है	आज	मैं	तू	मेरा-पुत्र	मुझसे	कहा	यहोवा	विधि	की-ओर	मैं-घोषणा-करूँगा
H3205	H3117	H0589			H0413	H0559	H3068	H2706	H0413	

अब मै यहोवा की वाचा के बारे में तुझे बताता हूँ। यहोवा ने मुझसे कहा था, "आज मैं तेरा पिता बनता हूँ और तू आज मेरा पुत्र बन गया है।

8

אֶרֶץ׃	אַפְסֵי־	וַאֲחֻזָּתְךָ	נַחֲלָתֶךָ	גּוֹיִם	וְאֶתְּנָה	מִמֶּנִּי	שְׁאַל
पृथ्वी-के	किनारों	और-तेरी-सम्पत्ति	तेरी-मीरास	जातियों	और-मैं-दूँगा	मुझसे	माँग
H0776		H0272	H5159		H5414		H7592

यदि तू मुझसे माँगे, तो इन देशों को मैं तुझे दे दूँगा और इस धरती के सभी जन तेरे हो जायेंगे।

9	תְּרֹעֵם	בְּשֵׁבֶט	בַּרְזֶל	כִּכְלִי	יוֹצֵר	תְּנַפְּצֵם׃
	तू-उन्हें-तोड़ेगा	से-डण्डा	लोहे-का	जैसे-बर्तन	कुम्हार-के	तू-उन्हें-चकनाचूर-करेगा
		H7626	H1270	H3627	H3335	

> तेरे पास उन देशों को नष्ट करने की वैसी ही शक्ति होगी जैसे किसी मिट्टी के पात्र को कोई लौह दण्ड से चूर चूर कर दे।"

10	וְעַתָּה	מְלָכִים	הַשְׂכִּילוּ	הִוָּסְרוּ	שֹׁפְטֵי	אֶרֶץ׃
	इसलिए-अब	राजाओ	बुद्धिमान-होओ	चेतावनी-पाओ	न्यायाधीश	पृथ्वी-के
	H6258	H4428		H3256	H8199	H0776

> इसलिए, हे राजाओं, तुम बुद्धिमान बनो। हे शासकों, तुम इस पाठ को सीखो।

11	עִבְדוּ	אֶת־	יְהוָה	בְּיִרְאָה	וְגִילוּ	בִרְעָדָה׃
	सेवा-करो	को	यहोवा	भय-से	और-आनन्द-करो	काँपते-हुए
	H5647	H0853	H3068	H3374	H1523	

> तुम अति भय से यहोवा की आज्ञा मानों।

12	נַשְּׁקוּ־	בַּר	פֶּן־	יֶאֱנַף	וְתֹאבְדוּ	דֶּרֶךְ	כִּי־	יִבְעַר	כִּמְעַט	אַפּוֹ
	चूमो	पुत्र-को	ऐसा-न-हो	वह-क्रोधित-हो	और-तुम-नष्ट-हो	मार्ग-में	जब	भड़केगा	थोड़ा-सा	उसका-क्रोध
		H1248	H6435	H0599	H0006	H1870			H4592	H0639

אַשְׁרֵי	כָּל־	חוֹסֵי	בּוֹ׃
धन्य	सब	शरण-लेनेवाले	उसमें
H0835	H3605	H2620	

> स्वयं को परमेश्वर के पुत्र का विश्वासपात्र दिखओ। यदि तुम ऐसा नहीं करते, तो वह क्रोधित होगा और तुम्हें नष्ट कर देगा। जो लोग यहोवा में आस्था रखते हैं वे आनन्दित रहते हैं, किन्तु अन्य लोगों को सावधान रहना चाहिए। यहोवा अपना क्रोध बस दिखाने ही वाला है।